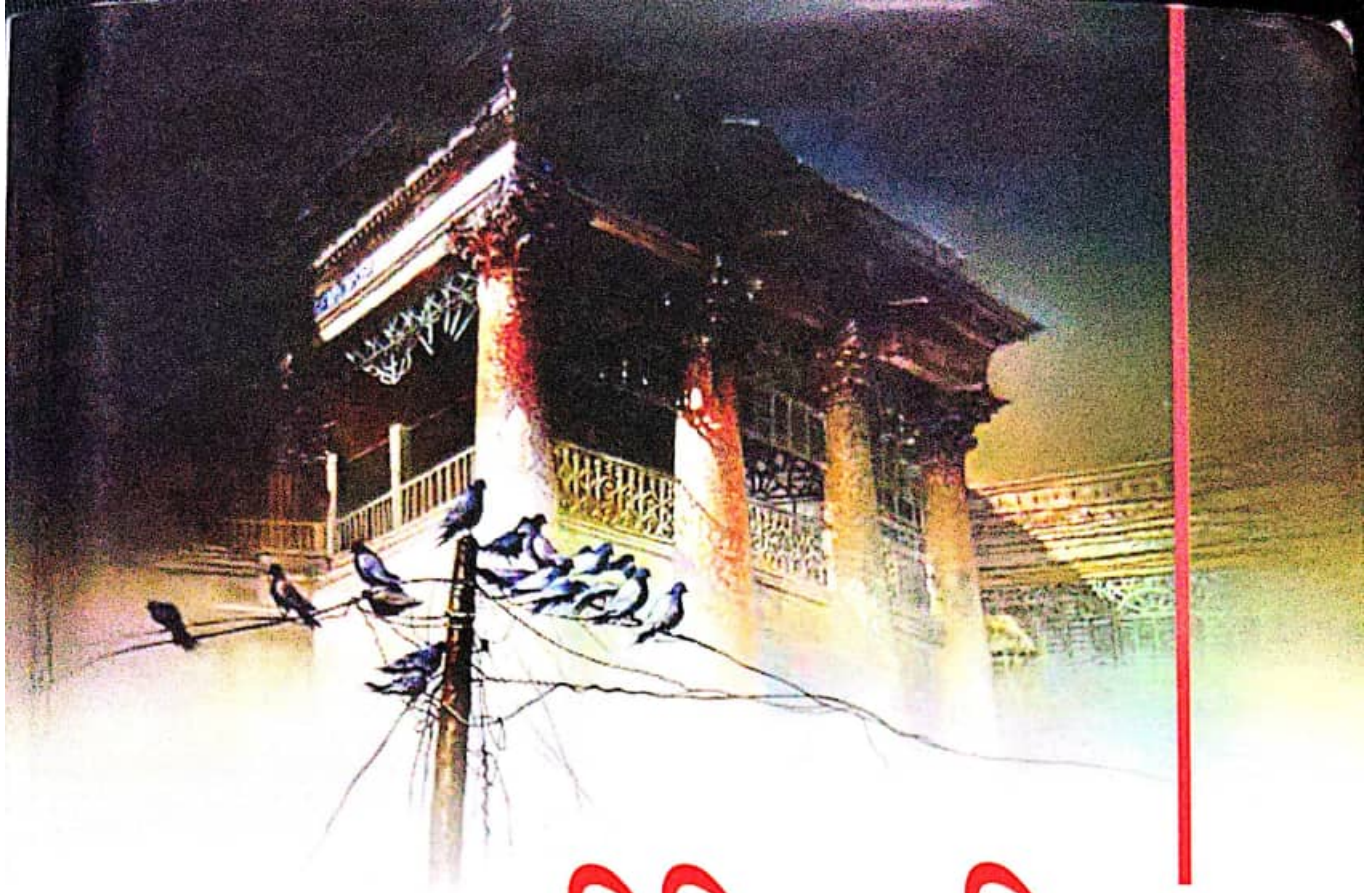

मानक साहित्यिक निबन्ध

डॉ. घनश्याम भारती

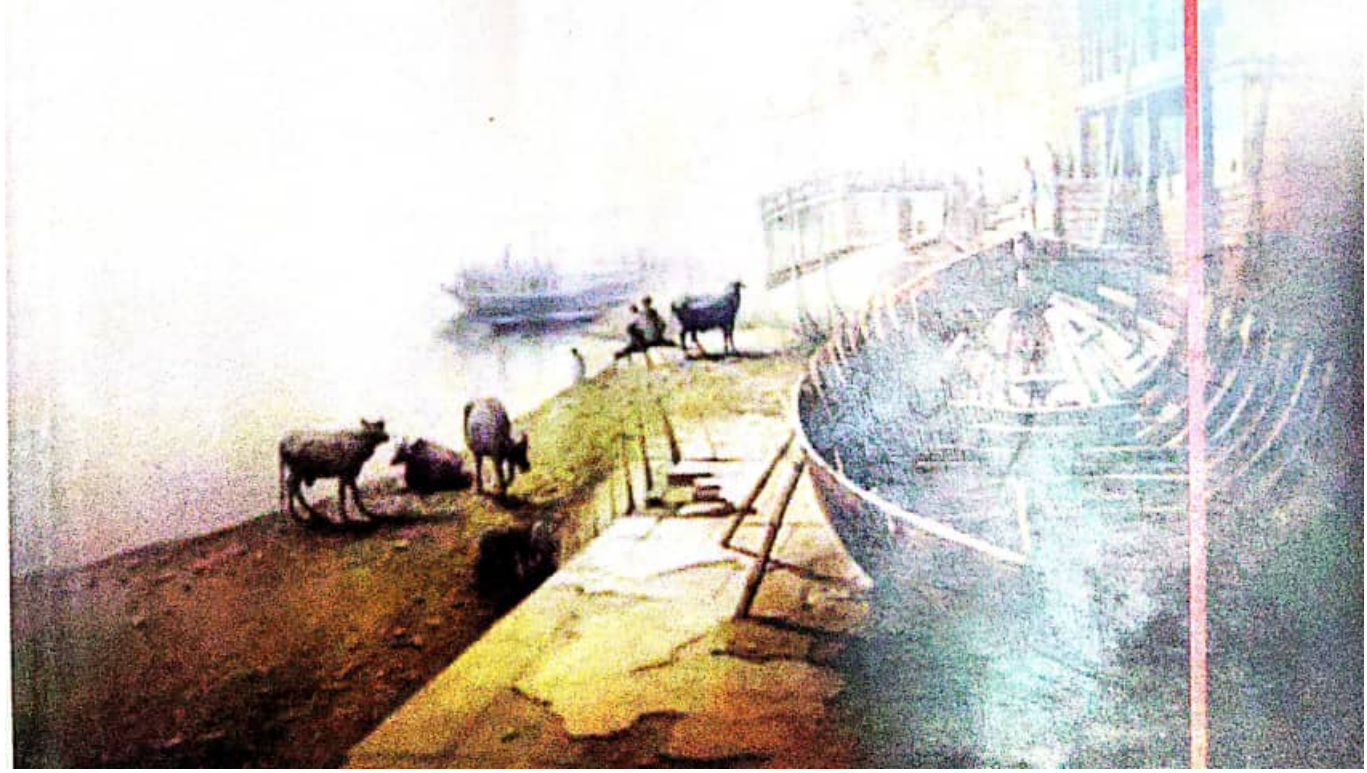

Scanned with OKEN Scanner

अन्तर्निहित
कृतित्व क
महत्ता अ
और दर्प
शब्दशः र
साधना र
कृति का
विषयों प

आका
विशेष
संगति
कृती
वैशिष्
का र
सम्पू
रेखां
यत्र-
हूँ।

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, दिल्ली

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है।

मानक साहित्यिक निबन्ध

डॉ. घनश्याम भारती

© डॉ. घनश्याम भारती

प्रथम संस्करण : २०१६
ISBN 978-93-88522-21-2

प्रकाशक

जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं०17, विजय पार्क, दिल्ली-110053
दूरभाष : 08527 460252, 09990236819
E-Mail : jtspublications@gmail.com

ब्रांच ऑफिस

ए-9, नवीन इनक्लेव गाज़ियाबाद,
उत्तरप्रदेश, पिन-201102

मूल्य : ५६५.०० रूपये

आवरण : प्रतिभा शर्मा, दिल्ली

मुद्रक : तरूण ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

MANAK SAHITYIK NIBANDH
by Dr. Ghanshyam Bharti

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन – डॉ. घनश्याम भारती		७
भूमिका : (I) डॉ.पृथ्वीनाथ पाण्डेय, भाषाविद् और समीक्षक, इलाहाबाद		१२
	(ii) डॉ. वर्षा सिंह, प्रख्यात कवयित्री, गज़लकार, सागर	१६
	(iii) डॉ. रेखा शर्मा, सरगाँव, मुंगेली, छत्तीसगढ़	२२
१.	गोस्वामी तुलसीदास की साहित्य-साधना	२४
२.	रामकथा का कालजयी ग्रन्थ श्रीरामचरितमानस	३२
३.	तुलसी की लोकनायकत्व	३६
४.	श्रीरामचरितमानस में सामाजिक समरसता	४१
५.	श्रीरामचरितमानस के आदर्श नारी-पात्र	४६
६.	महाकवि बिहारी का नायिका-भेद निरूपण	५३
७.	पं. कामताप्रसाद गुरु की साहित्य-साधना	६०
८.	महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों की नारी-संवेदना	६५
९.	महादेवी वर्मा के गद्य-साहित्य में स्त्री-विमर्श	७१
१०.	महीयसी महादेवी वर्मा की संघर्ष-यात्रा	८२
११.	अज्ञेय की कविता में प्रतीक-विधान	८९
१२.	व्यक्तित्व और भाषा की अवधारणा	९५
१३.	राजभाषा हिन्दी का बदलता परिदृश्य	९९
१४.	साहित्य की अवधारणा	१०४
१५.	मानक हिन्दी भाषा : स्वरूप और प्रयोग	१०८
१६.	भारत में हिन्दी की साहित्यिक सम्पदा का विकास	११७
१७.	बुन्देली माटी के प्रखर कवि निर्मल चन्द 'निर्मल'	१२२

१८. लोक-साहित्य और लोक-संस्कृति १२८
१९. लोक-साहित्य में पर्यावरण-चेतना १३१
२०. विश्व स्तर पर हिन्दी के बढ़ते कदम १३६
परिशिष्ट : (क) हिन्दी निबन्ध : स्वरूप और विकास १४०
(ख) हिन्दी के प्रमुख निबन्धकार व उनके निबन्ध १४४

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. घनश्याम भारती : सामान्य परिचय

हिन्दी समीक्षा, समालोचना एवं सम्पादन कला में दक्ष बुन्देलखण्ड के प्रखर समीक्षक डॉ. घनश्याम भारती देश के ख्यातिलब्ध साहित्यकारों में एक निष्णात हस्ताक्षर हैं। देश के चर्चित राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल्स में आपके लगभग ६० शोध-पत्र, साहित्यिक पत्रिकाओं में कई लेख, समीक्षाएँ, साक्षात्कार तथा पुस्तकों में अध्याय, भूमिकाएँ प्रकाशित हैं। डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड, रिफर्ड इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल्स में भी आपके शोधालेख, समीक्षाएँ आदि प्रकाशित हैं। डॉ. घनश्याम भारती को कई राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्मानों से उनकी सृजनात्मकता हेतु विभूषित किया जा चुका है। इनके 'रांगेय राघव के कथा-साहित्य में लोकजीवन' ग्रंथ पर 'कादम्बरी सम्मान', 'शोध और समीक्षा के विविध आयाम' निबंध-संग्रह पर 'साहित्य विभूषण सम्मान', 'हिन्दी की प्रतिनिधि कहानियाँ' पाठ्य पुस्तक पर 'प्रज्ञाभारती सम्मान' के साथ 'सारस्वत सम्मान', 'शब्द-शिल्पी सम्मान', 'ज्ञान सागर अलंकार', 'अम्बिका प्रसाद दिव्य स्मृति प्रतिष्ठा सम्मान', 'भारती शिखर सम्मान', 'प्रबुद्ध खालसा सम्मान', 'साहित्य मार्तण्ड शिखर सम्मान', 'महामहोपाध्याय सम्मान', 'साहित्य भारती शिखर सम्मान' तथा अमेरिका की विजिटिंग स्कालर डॉ. नीलम जैन द्वारा 'अहिंसा सम्मान' से विभूषित किया जा चुका है। इलाहाबाद तथा रायबरेली (उ.प्र.) में २०१८ में डॉ.भारती को 'मुंशी प्रेमचन्द सम्मान' तथा 'भाषा-गौरव सम्मान' से भी नवाजा गया। इनके द्वारा सम्पादित अन्य कृतियों में 'सत्य से साक्षात्कार के कवि निर्मलचंद निर्मल', 'व्यक्तित्व-भाषा-मीडिया : एक अनुशीलन', 'समय-समाज-साहित्य : एक परिशीलन', 'वैश्विक जीवन-मूल्य और रामकथा', 'लोकजीवन में रामकथा' तथा 'रामकथा का वैश्विक परिदृश्य' पुस्तकें शोध, समीक्षा, निबंध लेखन तथा संपादन के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, साहित्य प्रेमियों तथा समाज को एक नई दिशा, ज्ञान, नैतिकता तथा सदाचार का संदेश देने में सहायक सिद्ध हुई हैं। डॉ. घनश्याम भारती द्वारा २३-२४ अप्रैल २०१८ को वैश्विक जीवन मूल्य और रामकथा शीर्षक पर केन्द्रित वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश-विदेश के रामकथा प्रेमी, शोधार्थी तथा साहित्य मनीषी एकत्रित हुए। आपके द्वारा 'सृष्टि' पत्रिका के १२ अंकों का संपादन तथा त्रैमासिक समाचार पत्र का संपादन किया जा चुका है। वर्तमान में आप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गढ़ाकोटा, सागर मध्यप्रदेश में हिन्दी विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

स्थायी सम्पर्क : विद्यापुरम (एक्सटेंशन), बटालियन रोड, मकरोनिया, सागर (म.प्र.) ४७०००४

ईमेल : dr.ghanshyambharti@gmail.com

चलित दूरभाष : ९८९३७४७८०६, ७७७१०५३६८७

₹ 595/-

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स

वी-508, गली नं.17, विजय पार्क,दिल्ली-110053

मो. 08527460252, 011-22911223

ईमेल: jtspublications@gmail.com

ISBN 978-93-88522-21-2

9 789388 522212

Scanned with OKEN Scanner